Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302309**
Title of the Paper	**:**	**सूर्यसिद्धान्त एवं वेदाङ्गज्योतिष** **Suryasiddhanta & Vedanga Jyotish**
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit, LOCF, December-2024**
Group:	**:**	**I**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से किन्ही **चार** की व्याख्या कीजिए। **4x7=28**

   Explanation any **four** of the following:

   i. इत्थं युगसहस्रेण भूतसंहारकारकः।
   कल्पे ब्राह्ममहः प्रोक्तं शर्वरी तस्य तावती ॥

   ii. शीघ्रगस्तान्यथाऽल्पेन कालेन महताऽल्पगः।
   तेषां तु परिवर्तेन पौष्णान्ते भगणः स्मृतः ॥

   iii. वारप्रवृत्तिः प्राग्देशे क्षपार्धेऽभ्यधिके भवेत्।
   तद्देशान्तरनाडीभिः पश्चादूने विनिर्दिशेत् ॥

   iv. प्रपद्येते श्रविष्ठादौ सूर्याचन्द्रमसावुदक्।
   सार्पार्धे दक्षिणार्कस्तु माघश्रावणयोः सदा ॥

   v. प्रथमं सप्तमं चाहुरयनाद्यं त्रयोदश।
   चतुर्थ दशमं चैव द्वियुग्माद्यं बहुलेऽप्यृतौ ॥

2. निम्नलिखित में से किन्ही **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो- **5+5+5+7=22**

   Write a short note on any **four** of the following, out of which one should be in Sanskrit:

   सावन दिन, सूर्य का मायासुर के प्रति उपदेश, मन्वन्तर व्यवस्था, सुरासुर अहोरात्र, मुहूर्त्त विचार, पँचवर्षात्मक युग विचार

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए। **10x2=20**

Answer any **two** of the following :

i. सूर्यसिद्धान्त के अनुसार "महायुग" पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

Write a detailed essay on "ब्राह्मवर्ष" according to the Suryasiddhanta.

अथवा/OR

सूर्यसिद्धान्त के आलोक में महायुगीन ग्रह-भगण का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Describe in detail "महायुगीन ग्रह-भगण" according to the Suryasiddhanta.

ii. वेदांग-ज्योतिष के अनुसार 'पर्वराशि आनयन' की विधि को स्पष्ट कीजिए।

Explain the method of 'पर्वराशि आनयन' according to Vedanga-Jyotisha.

अथवा/OR

वेदांग-ज्योतिष के आधार पर 'नक्षत्र और ऋतु आनयन' पर प्रकाश डालिए।

Throw light on 'नक्षत्र और ऋतु आनयन' on the basis of Vedanga-Jyotisha.